टिप्पणी

4

मानव-आकृति

लक्ष्य

मानव आकृति का चित्रण विभिन्न विशेषताओं और भावात्मक अभिव्यक्तियों को चित्रित करने से संबंधित है। इन दोनों को भाव–भंगिमाओं और शारीरिक भाषाओं से पाया जा सकता है।

भूमिका

मानव ही एक ऐसा प्राणी है जो अपनी सभी प्रकार की भावनाओं को बहुत–से तरीकों से अभिव्यक्त कर सकता है। मनुष्य की इन भावनाओं को पकड़ने के लिए एक कलाकार के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। मनुष्य अपनी आवाज के अलावा इन सभी भावनाओं को विभिन्न भाव–भंगिमाओं, मुद्राओं, आंख, होंठ, आदि के संचालन से अभिव्यक्त करता है। एक कलाकार के लिए ध्यान देने योग्य जो महत्वपूर्ण बात है कि उसे मानव–आकृति की विभिन्न शारीरिक विशेषताओं को अपने स्केच में पकड़ना और उभारना होता है। एक विद्यार्थी निरंतर स्केचिंग के अभ्यास के द्वारा मानव शरीर की विभिन्न भाषाओं और उसकी भावनाओं को अभिव्यक्ति दे सकता है। विभिन्न अभिव्यक्तियों के संप्रेषण के लिए पेंटिंग मुख्य रूप से एक माध्यम है। एक शिक्षार्थी को इन भावनाओं और मनःस्थितियों को अभिव्यक्ति देने के लिए मानव–आकृति और उसके स्वरूप का प्रयोग करना चाहिए।

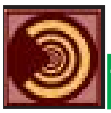

उद्देश्य

इस प्रयोगात्मक अभ्यास को पूरा करने के बाद, आपः

- समानुपातिक ढंग से मानव–आकृतियां बना सकेंगे;
- मानव–आकृति की सही भावनाओं और मनःस्थितियों को अभिव्यक्ति दे सकेंगे; और
- मानव शरीर के संचालनों, भाव–भंगिमाओं और मुद्राओं के द्वारा सभी प्रकार की अभिव्यक्तियों को चित्रित कर पाएंगे।

चित्र सं. 1

जैसा फ्रेम–1 में दिखाया गया है, साधारण रेखाओं के द्वारा मानव–आकृतियों की बाह्य रेखा खींचिए। शरीर से जुड़ी भुजाओं और पैरों की अभिव्यंजनाओं और संचलन के द्वारा पैदल चलते हुए, लिखते हुए, दौड़ते हुए, खेलते हुए या सवारी करते हुए जैसी क्रियाओं को अभिव्यक्ति देने की कोशिश कीजिए। फ्रेम–1 की ड्राइंग क्रेयन के साथ की गई है लेकिन आप इसे पेंसिल या Crayon से बना सकते हैं।

चित्र सं. 2

चित्र स. 3

रेखा–चित्रण को आप साधारण ब्लॉक ड्राइंग में विस्तार दें जिससे मानव–आकृति की मुद्राओं, आकार और विभिन्न स्वरूपों को दिखाया जा सके। उदाहरण के लिए चित्र सं. 2 को देखें। चित्र सं. 2 की ड्राइंग पहले एचबी पेंसिल से की गई है और बाद में स्याही–पेन से। चित्र सं. 3 की तरह अपनी इच्छानुसार अधिक आकृतियों का संयोजन करने की कोशिश करें।

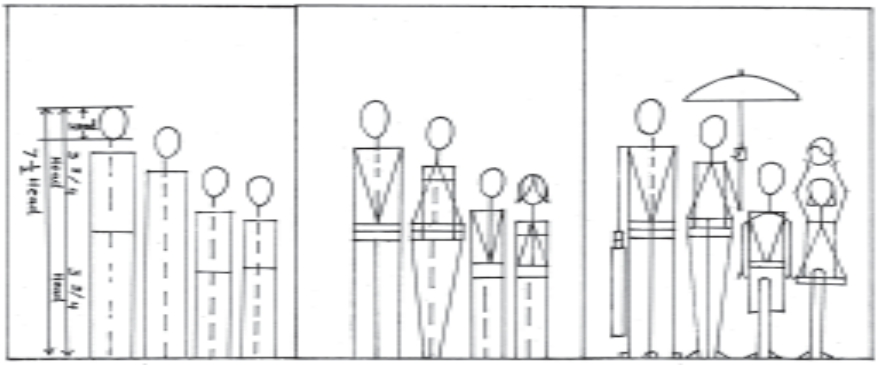

चित्र सं. 4

ज्यामितीय तत्वों को जोड़कर मानव–आकृति के कुछ आधारभूत सिद्धांतों को जानें (चित्र सं. 4 देखें)। यदि हम एक इकाई के तौर पर एक सिर की ऊंचाई को लें, तो याद रखें कि एक वयस्क सीधे शरीर की ऊंचाई सामान्य आनुपातिक तौर पर 7.5 इकाई होती है। बच्चों के साथ उनकी उम्र के अनुसार यह इकाई 6.5, 6 या इससे कम हो सकती है (जैसा चित्र सं. 4 अ में दिखाया गया है)। पुरुष के धड़ की लगभग एक समानांतर कमर और छाती की रेखा होती है, जबकि स्त्री के धड़ में वक्ष–रेखा के मुकाबले कमर की रेखा अधिक चौड़ी होती है जैसा चित्र सं. 4 बी में त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय ब्लॉक्स के द्वारा दिखाया गया है। जैसा चित्र सं. 4 स में दिखाया गया है, एक परिवार का मानव स्वरूपों के साथ संयोजन करें। चित्र सं. 4 में एचबी पेंसिल से ड्राइंग की गई है और उसके बाद स्याही पेन से।

चित्र सं. 5

जैसा चित्र सं. 5 में दिखाया गया है, पैरों की ड्राइंग के लिए त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय ब्लॉक ढांचे को पहचानें और उसके बाद उसके साथ उंगलियों को जोड़ें। शुरू में अपने पैर को किसी पेपर के बीच में रखें और अपने पैर की ड्राइंग को समझने के लिए उसकी बाहरी परिरेखा खींचें। अपने पैर के निशानों को ध्यान पूर्वक देखने से भी आप पैर की ड्राइंग कर सकते हैं।

शीशे में अपने पैर के अग्रभाग, पार्श्वभाग, मोड़ आदि को देखते हुए अभ्यास करें। चित्र सं. 5 में पेन और स्याही, 2बी और 6बी पेंसिलों से ड्राइंग की गई है।

कदम I, II, III, IV, V, VI, VII

चित्र सं. 6

हाथ और उंगलियों की ड्राइंग के लिए एक व त्त खीचें और चित्र सं. 6 में कदम–1 में दिखाए अनुसार उंगलियों और अंगूठे के रूप में काल्पनिक रेखाएं जोड़ें। हथेली का अग्रभाग पाने के लिए कदम–II के अनुसार उन रेखाओं को सुस्पष्ट विस्तार दें। आनुपातिक रूप से हाथ का पार्श्वभाग दिखाने के लिए कदम–III का अनुसरण करें। अग्र और पार्श्वभाग दिखाने के लिए उंगलियों को जोड़ते हुए हाथ का ड्राइंग करें। उदाहरण

के लिए ध्यानपूर्वक कदम IV, V, VI और VII को देखें। चित्र सं. 6 में पेन और स्याही, 2बी और 6बी की पेंसिल से ड्राइंग की गई है।

चित्र सं. 7

ध्यानपूर्वक खड़ी आकृति का अध्ययन करें। झुकती हुई आकृति को किसी सहारे के साथ खड़ी होते हुए दिखाएं। जैसा चित्र सं. 7 में दिखाया गया है कि शरीर का भार पावों में बंटा हुआ है। धड़, नितंब और सिर को मुड़ते हुए देखें। आकृति के लिए ठोस ब्लॉक ड्राइंग बनाने में हड्डियों के वास्तविक ढांचे का ज्ञान मदद करता है (चित्र सं. 7 अ देखें)। गोलाई के साथ ब्लॉक्स को जोड़कर मानव–आकृति के विभिन्न मॉडल चरित्र बनाने चाहिए। अंत में उनके स्वरूपों के अनुसार उनमें अनुकूल विस्तार और उनकी साज–सज्जा में विस्तार दिया जा सकता है जैसा कि चित्र सं. 7 बी में दिखाया गया है। चित्र सं. 7 का ड्राइंग 2बी, 4बी और 6बी पेंसिलों से किया गया है।

चित्र सं. 8

अपने चारों तरफ काम करते हुए लोगों को ध्यानपूर्वक देखें। विभिन्न रफ़ स्केच बनाने की कोशिश कीजिए जिनमें लोगों के विभिन्न प्रकार के कपड़े पहनें हों या काम करते हुए प्रयोग किए जाने वाले विशिष्ट उपकरण दिखाई दे रहे हों। उदाहरण के लिए चित्र सं. 8अ, 8ब और 8स देखें। चित्र सं. 8 में 2बी, 4बी और 6बी पेंसिलों से ड्राइंग की गई है।

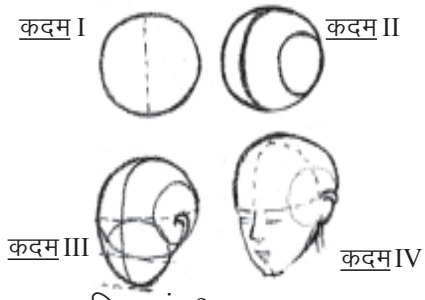

चित्र सं. 9

चित्र सं. 10

सिर बनाने के लिए एक व त्त (गोलाकार) बनाने का अभ्यास करें और फिर इसे दो बराबर भागों में विभक्त करें जैसा कदम–1 चित्र सं. 9 में दिखाया गया है। और जैसा कदम–II में दिखाया गया है, कान की बनावट बनाने के लिए एक व त्त को दोनों और विस्तार दें। एक और व त्त नीचे जबड़े और ठोढ़ी का रूप देने के लिए बनाएं जैसा कदम–III में दिखाया गया है। अब इस सारे संयोजन को तीन बराबर रेखाओं अ, ब औस स में विभक्त करें। 'अ' कान की रेखा, 'ब' बीच की रेखा और 'स' भवें बन जाती हैं। जैसा कदम–IV में दिखाया गया है, नाक और ठोढ़ी के बीच में मुंह और बाद में आंखें जोड़ी जा सकती हैं। देखें कि कैसे सिर पार्श्व से अग्र भाग की ओर दिखाई देता है। उदारहण के लिए ढांचा 10 में 'अ', 'ब' ओर 'स' चित्रों को देखें।

चित्र सं. 11

एक चेहरे को बनाने के लिए उसकी तीन मुख्य विशेषताओं/रूप–आकारों का स्थान–निर्धारण करें। विभिन्न द ष्टिकोणों से आंख, नाक और होठों की बनावट को देखें (चित्र सं. 9 देखें)। चित्र सं. 11 की ड्राइंग 2बी पेंसिल से की गई है।

चित्र सं. 12

जैसा चित्र सं. 12 में दिखाया गया है, विभिन्न कोणों और द ष्टिकोणों से लड़की के हंसते हुए चेहरे का ध्यान पूर्वक अवलोकन करें। मानव–आकृतियों के चित्रण का अभ्यास करते हुए इन सभी विस्त त ब्यौरों (details) को अपनाएं। चित्र सं. 10 की ड्राइंग 2बी, 4बी, 6बी पेंसिलों से की गई है।

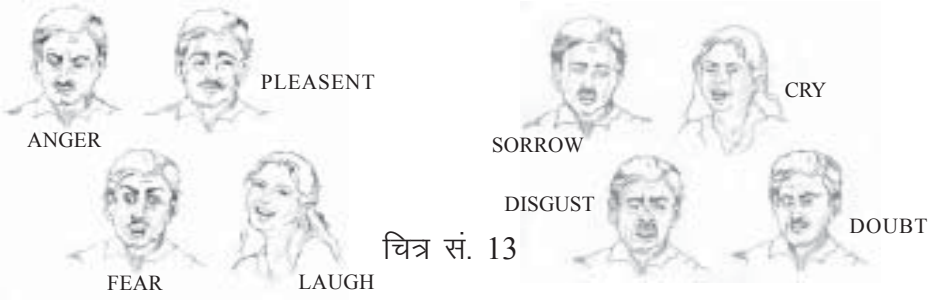

चित्र सं. 13

ऊपर दिए गए मानव चेहरों के मनोभावों और भावाभिव्यक्तियों को पहचानें। आंखों, भवों और होठों के बदलते रूपों को ध्यान से देखें कि कैसे वे क्रोध ('अ'), प्रसन्नता ('ब'), भय ('स'), हंसी ('द'), दुःख ('य'), रोना ('र'), घ णा ('ल') और संदेह ('व') जैसे भावों को व्यक्त कर रहे हैं।

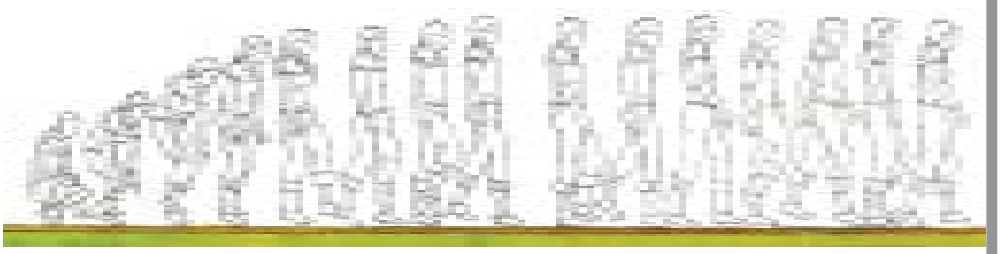

चित्र सं. 14

जैसा 2बी पेंसिल से बनाए गए चित्र सं. 14 में दिखाया गया है, एक चलती हुई मानव–आकृति के संचालन के दिलचस्प क्रियातंत्रों को ध्यानपूर्वक देखें। चित्र सं. 14 की स्केचिंग को देखते हुए आप अपने अनुसार आकृति के चलते हुए क्रियातंत्र का सर्जन करने की कोशिश करें।

चित्र सं. 15अ 15ब

एक उपयुक्त फोटोग्राफ की सहायता से किसी रूपचित्र के भावों की बारीकियों का चित्रण करें। आप स्वयं के फोटोग्राफ को लेकर भी, जिसमें आपका परिचित चेहरा है, चित्रण करने की कोशिश कर सकते हैं। वस्तुतः स्वयं का चित्र बनाना हमेशा अधिक दिलचस्प और कुछ उपार्जित करने जैसा है। विभिन्न तकनीकों जैसे चारकोल, पेस्टल, रेखाच्छाया में प्रकाश और छाया को ध्यानपूर्वक देखें। उदाहरण के लिए चित्र सं. 15 अ पेन और स्याही के साथ रेखाच्छाया में बनाया गया है, और चित्र सं. 15ब (बच्चे के भाव) चारकोल–पेंसिल से रेखा और रेखाच्छायाओं के द्वारा बनाया गया है।

चित्र सं. 16 और 17

टिप्पणी

विभिन विशेषताओं के साथ आराम करती हुई मुद्रा में, बैठे या खड़ी स्थिति में किसी जीवंत आकृति की बहुत सारी स्केचिंग करें। उसके मूल ढांचे को 2बी या 4बी पेंसिलों का प्रयोग करते हुए रेखाओं के द्वारा ढालने की कोशिश करें और फिर उनमें अन्य आवश्यक बारीकियां डालें जैसा चित्र सं. 16 और 17 में आकृति 1, 2, 3, और 4 में दिखाया गया है।

चित्र सं. 18

पांच आकृतियों का संयोजन करें। साधारण मूल ढांचे के साथ प्रारंभ कर उन्हें विभिन्न गतिविधियों में लिप्त दिखाएं।

चित्र सं. 19

इन आकृतियों को अपनी कल्पना के अनुसार ठीक से लगाएं। इस संयोजन में एक ऐसा विकल्प दिखाया गया है। एचबी पेंसिल से ड्राइंग करने के बाद अन्य बारीकियों को पूरा करने का काम स्याही और ब्रश से किया जाता है।

चित्र सं. 20

टिप्पणी

अपनी इच्छा से किसी माध्यम से आप इस चित्र में रंग भर सकते हैं। संदर्भ के लिए चित्र सं. 20 देखें। इसका संयोजन जल–रंगों के माध्यम से किया गया है।

अभ्यास

1. ''कीचन में मां'' या ''आराम करते हुए पिता'' के स्केचों को बनाने की कोशिश करें। चित्र सं. 2 के अनुसार पहले ब्लाक ड्राइंग में ढांचा खींचें। फिर उसमें एचबी और 2बी पेंसिल का प्रयोग कर अन्य बारीकियों को जोड़ें।

2. किसी मुद्रा में 10 से 13 वर्ष के बच्चे का स्केच बनाएं। एचबी, 2बी और 6बी पेंसिलों से अन्य बारीकियां/छायाएं दें।

3. काम करते हुए लोगों को देखें और विभिन्न स्थितियों में उनके स्केच बनाएं। फिर उनका रंग–संयोजन करें जैसा चित्र सं. 7,8 और 20 में दिखाया गया है।

4. एक फोटोग्राफ की मदद लेते हुए स्वयं का चित्र बनाएं। फिर रेखाच्छायाओं के द्वारा उसमें बारीकी से छायाएं दें। संदर्भ के लिए चित्र सं. 15 देखें।

टिप्पणी

स्टडी आफ ए गर्ल (बांस से निर्मित कागज पर क्रेयन)
— नन्दलाल बोस

डान्सर (कागज पर पेन्सिल)
— नन्दलाल बोस